1.4.8 पनामा नहर मार्ग (Panama Canal Route)

अंतर्राष्ट्रीय जलमार्ग के अंतर्गत नहर जलमार्ग महत्वपूर्ण है । इस कड़ी में पनामा नहर का निर्माण उत्तरी एवं दक्षिणी अमेरिका के मध्य स्थित पनामा स्थल डमरुमध्य को काटकर किया गया है । यह नहर प्रशांत महासागर एवं अटलांटिक महासागर को जोड़ती है । इसलिए इसे **"प्रशान्त महासागर का प्रवेश द्वार"** भी कहा जाता है । इस नहर के उत्तर में लिमोन की खाड़ी एवं दक्षिण में पनामा की खाड़ी है । लिमोन की खाड़ी पर कोलन बंदरगाह है, जहाँ अटलांटिक महासागर से आने वाले जहाज कैरेबियन सागर होकर आते है । इसी प्रकार दूसरी तरफ पनामा की

खाड़ी पर पनामा नामक बंदरगाह है, जहाँ प्रशांत महासागर से जहाज आते है । चित्र सं० 1.8 के द्वारा पनामा नहर की अवस्थिति को स्पष्ट किया गया है ।

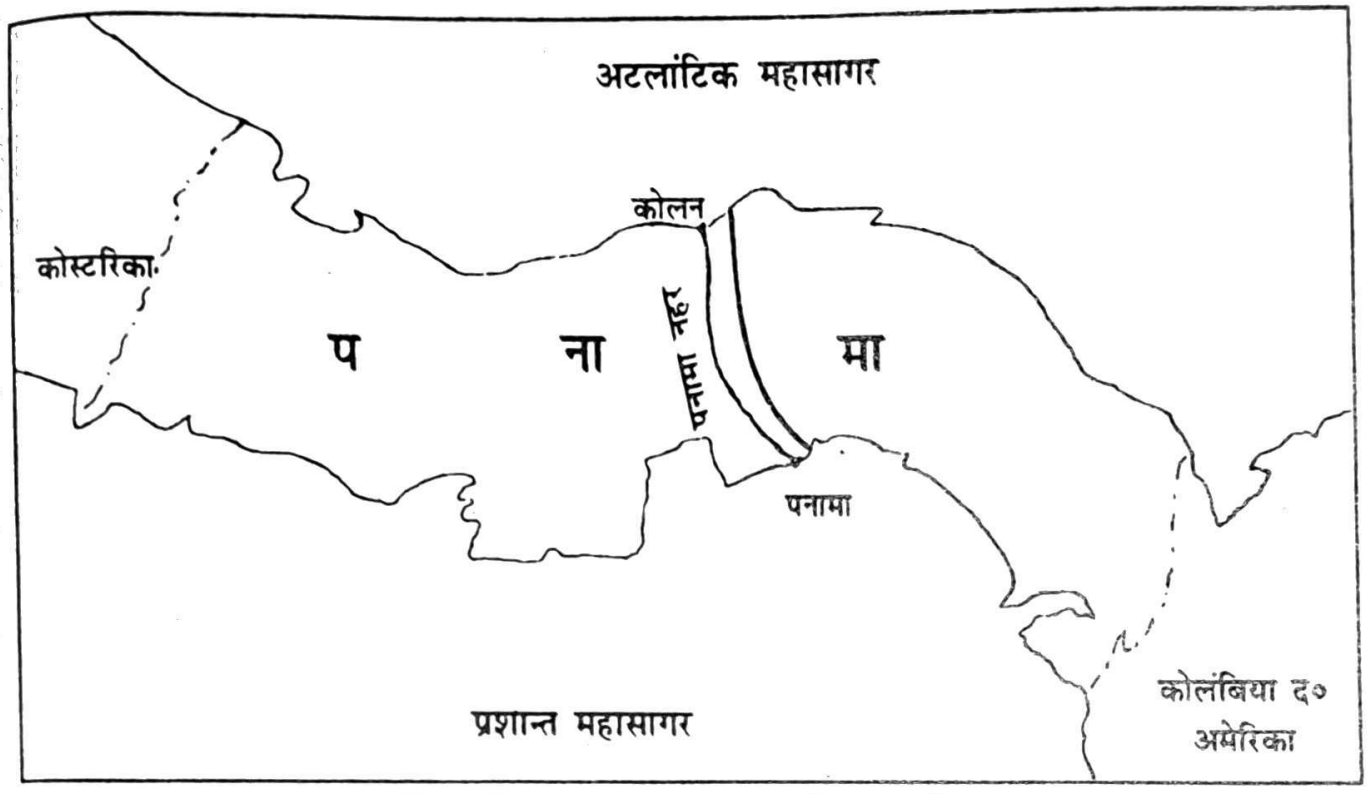

चित्र सं० 1.8 : पनामा नहर एवं पनामा देश

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर एवं पनामा की राष्ट्रपति मिस मिरेया मोसकोशो के बीच संपन्न समझौते के तहत पनामा नहर का नियंत्रण अमेरिका देश के हाथ से निकलकर पनामा के हाथों में चला गया । पनामा के राष्ट्रपति ने इसे 20वीं सदी की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया ।

81.63 किलोमीटर लंबाई वाला पनामा नहर 1914 ई० में बनकर तैयार हुआ, जिससे अटलांटिक एवं प्रशान्त महासागर के बीच परिवहन एवं व्यापार में वृद्धि आयी । इस नहर का निर्माण कुलेबरा पहाड़ी को काटकर किया गया है । इसकी चौड़ाई 100 मीटर तथा कहीं-कहीं मात्र 16 किलोमिटर है । इस नहर में दो जलयान एक साथ आ-जा सकते हैं, जिसे पार करने में 7-8 घंटे का समय लगता है ।

सर्वप्रथम 1517 ई० में यूरोपीय यात्री वलबोआ द्वारा अटलांटिक एवं प्रशांत महासागर को जोड़नेवाली नहर का विचार निर्माण करने का आया । 1882 ई० में इसका निर्माण आरंभ किया गया जो भूस्खलन, पीले बुखार एवं मलेरिया के प्रकोप से बंद करना पड़ा । 1898 ई० में ओरेगाँव घटना के बाद अमेरिका ने इस प्रोजेक्ट को अपने हाथों में लिया । 1904 ई० में अमेरिकी सरकार द्वारा नहर निर्माण का कार्य पुन: आरंभ हुआ,जो 1914 ई० में पूरा हुआ और 1920 ई० को 12 जुलाई को सरकारी रूप से नहर को व्यापार के लिए खोल दिया गया ।

लगभग 82 किलोमीटर लंबाई वाले इस नहर मार्ग में प्रति दिन लगभग 50 जहाज गुजरते हैं । इस नहर मार्ग पर माल ढोने की अधिकतम क्षमता 152 मिलियन मैट्रिक टन है । इस मार्ग के बन जाने से अमेरिका के पूर्वी एवं पश्चिमी तट के बीच दूरी में लगभग 13000 किलोमीटर की कमी आयी है । प्रतिवर्ष लगभग 500 मिलियन डॉलर आय अर्जित करनेवाले इस नहर मार्ग के निर्माण कार्य में लगभग 43000 मजदूरों ने काम किया था । लगभग 7 करोड़ 50 लाख पौण्ड की धन राशि से निर्मित इस नहर मार्ग के निर्माण के दौरान कुल मिलाकर 20,000 श्रमिक भूस्खलन एवं रोग द्वारा मारे गए ।

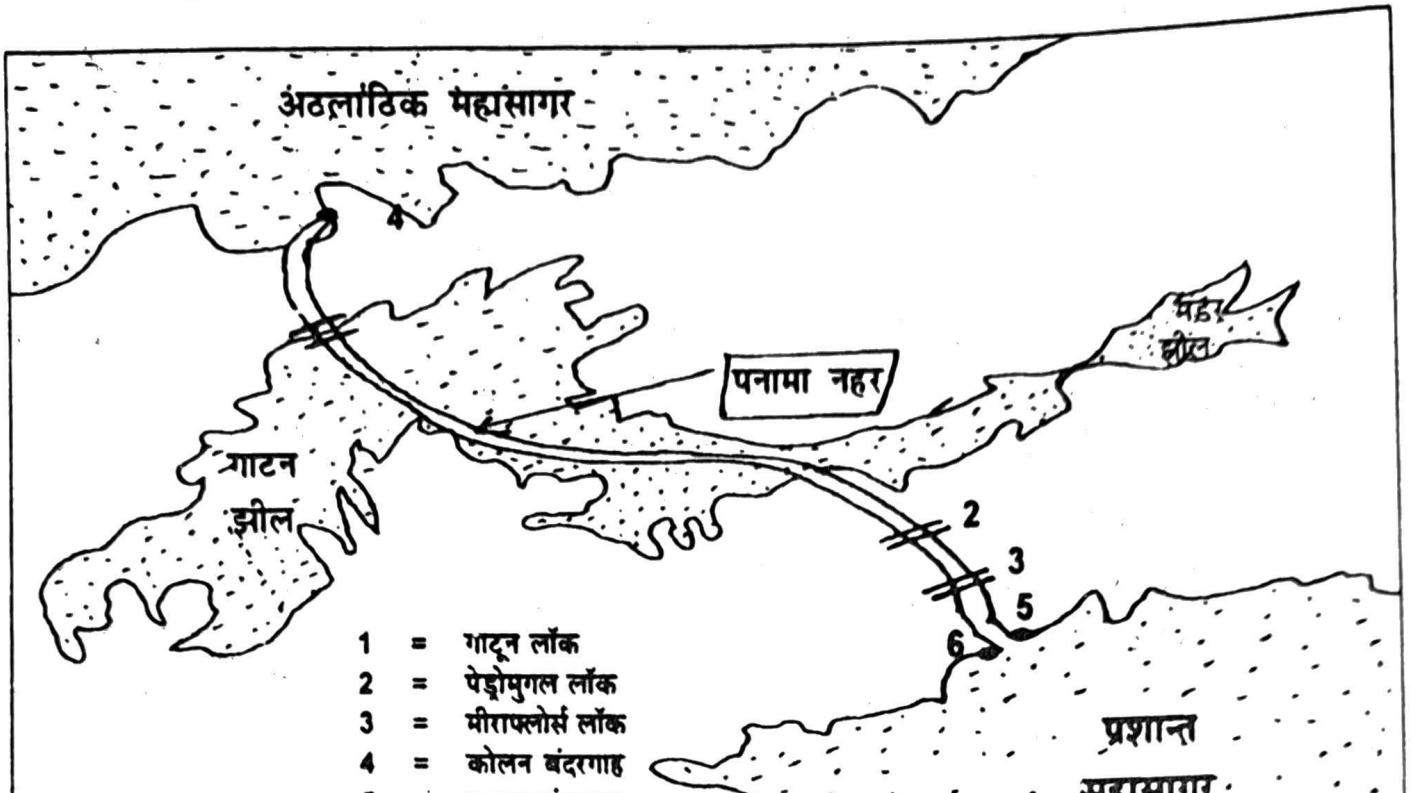

चित्र सं० 1.9 : पनामा नहर

पनामा नहर पहाड़ी क्षेत्र को होकर गुजरती है । अत: उन स्थानों पर खुदाई समुद्री तल तक संभव नही थी। इसलिए उतनी ऊँचाई तक जहाजों को ऊपर उठाने के लिए 3 द्वार (लॉक) बनाये गये है–

1. अटलांटिक सिरे पर गाटून लॉक ।
2. नहर के मध्य भाग में पेड्रोमुगल लॉक ।
3. प्रशांत महासागर सिरे पर मीराफ्लोर्स लॉक ।

इन लॉक्स के द्वारा जलयानों को पर्वतीय भूमि एवं ऊँचाई वाले स्थानों को पार करना संभव होता है ।

पनामा नहर की मूलभूत प्रेरणा से कैलिफोर्निया में सोने की खानों का ही विकास नहीं हुआ, बल्कि जल परिवहन के क्षेत्र में भी इस मार्ग ने अभूतपूर्व योगदान दिया है । **"लैण्ड डिवाइडेड, वर्ल्ड यूनाइटेड"** के नारों से प्रसिद्ध इस नहर मार्ग से न केवल अमेरिका के पूर्वी एवं पश्चिमी तटों के मध्य दूरी में कमी आयी वरन् अन्य देशों के साथ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के संदर्भ में इससे समय एवं ईंधन की उल्लेखनीय बचत हुई है।

स्थान	दूरी में कमी (कि०मी० में)	स्थान	दूरी में कमी (कि०मी० में)
लिवरपुल-सेन फ्रांसिस्को	9100	न्यूयार्क-सेन फ्रांसिस्को	12600
लिवरपुल-याकोहामा	1004	लिवरपुल-एडिलेड	3128
न्यूयार्क-होनोलूलू	10600	लिवरपुल-होनोलूलू	7000

पनामा नहर बनने के बाद सामुहिक दुर्घटनाओं में कमी आयी है, क्योंकि आरंभ में जलयानों को मैग्लेन जल संधि से होकर गुजरने के दौरान समुद्री तूफानों एवं हिम-शिलखंडो द्वारा दुर्घटनाएँ अधिक होने की संभावना रहती थी।

इस नहर के निर्माण के बाद एक नए सामुद्रिक मार्ग का विकास हुआ, जिससे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार काफी हद तक प्रभावित हुआ । आज प्रशांत महासागर से अटलांटिक महासागर की ओर तथा अटलांटिक महासागर से प्रशांत